Daily Gospel Reflections in Hindi

03 October 2019

मत्ति 8 : 1 - 4

Jesus heals the leper

मत्ती के सुसमाचार अध्याय 5 से 7 में ईसा मसीह प्रेम की नई आज्ञा देते हैं, अध्याय 8 वाक्य 9 में उसी आज्ञा का व्यवहारिक हम देखते हैं। सुसमाचार अध्याय 8 वाक्य 1 से 2 में कोढ़ी कहता है कि "प्रभु आप चाहें तो मुझे शुद्ध कर सकते हैं" कोढ़ी प्रभु के निकट आता है। लेवी ग्रंथ अध्याय 13 वाक्य 45 से 46 में हम पढ़ते हैं कि कोढ़ी समुदाय से दूर रहते थे क्योंकि वे अशुद्ध माने जाते थे। हम अंदाजा लगा सकते हैं कि वे कितने अकेलेपन में रहते होंगे। लेकिन समाज की परंपराओं को तोड़कर वह कोढ़ी प्रभु यीशु के निकट पहुंच कर शुद्ध होने का निवेदन करता है। वह प्रभु से स्पर्श पाने की आवश्यकता नहीं समझता केवल शब्दों के द्वारा कहते हैं कि आप मुझे चंगा कर सकते हैं।प्रभु यह सुन कर उसे स्पर्श करते हुए चंगाई प्रदान करते हैं। ईसा मसीह भी यही चाहते हैं कि वह चंगा हो जाए।

विश्वास के साथ समूह में प्रचलित सभी गलत परंपराओं को तोड़ते हुए प्रभु के पास जाने वालों को प्रभु सहारा देता है। चंगा करने के बाद प्रभु उसे आदेश देते हैं कि " किसी से कुछ ना बताओ लेकिन जाकर अपने को याजकों को दिखाओ" संत मार्कुस के सुसमाचार अध्याय 14 वाक्य 5 में हम देखते हैं कि वह वहां से विदा होकर चारों और खुलकर इसकी चर्चा करने लगता है। जो अभी तक अकेलापन का दर्द सह रहे था उस से मुक्त होकर उल्लास के साथ उनके जीवन का अनुभव खुशी सबों के साथ बांट ता है। सच्चे दिल के साथ निडरता से प्रभु के निकट जाने वालों को प्रभु सहारा देते हैं । संसार के गलत नीतियों को तोड कर प्रभु के पीछे चलने का वरदान हम सब मांगे। आमेन

Rev. Fr. Alex Pulickaparambil

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019